राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 16 | जौनपुर | शुक्रवार, 29 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

चंडीगढ़–मनाली हाईवे फिर बंद, कंगना रनौत ने जताया दुख

मंडी , (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मंडी में भूस्खलन से चंडीगढ़–मनाली नेशनल हाईवे क्षतिग्रस्त हो गया है। पंडोह डैम के पास कैंची मोड़ के निकट हाईवे का एक बड़ा हिस्सा भारी बारिश के कारण धंस गया है। रात भर हुई तेज बारिश ने हाईवे को पूरी तरह तबाह कर दिया, जिससे न तो वाहन और न ही पैदल चलने का रास्ता बचा है। वहीं, इस हादसे पर मंडी की सांसद कंगना रनौत ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मंडी–बनाला के पास हुआ यह भीषण हादसा बेहद दुखद है। पहाड़ धंसने से कई लोग और वाहन मलबे में दबे हो सकते हैं। मैं प्रभावित परिवारों के साथ हूं और प्रशासन से लगातार संपर्क में हूं। राहत कार्य तेजी से चल रहा है। ईश्वर सभी को सुरक्षित रखें और घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करती हूं। इससे पहले, हाईवे बनाला के पास भूस्खलन से बंद था, जहां भारी वाहनों को 9 मील के पास रोक दिया गया था। हाईवे को आज बनाला में पत्थर हटाकर बहाल करने की योजना थी, लेकिन कैंची मोड़ पर हुए इस नए धंसाव ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बनाला में पत्थर हटाने का काम पूरा हो गया है, लेकिन कैंची मोड़ की मरम्मत या वैकल्पिक मार्ग बनाने में वक्त लगेगा। इससे पहले, हाईवे दवाड़ा के पास तीन दिन बाद बहाल हुआ था, लेकिन इस हादसे ने परेशानियां और बढ़ा दी हैं।

नोएडा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चार मामलों में गांजा और शराब तस्कर गिरफ्तार

नोएडा, (एजेंसी)। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने नशे के कारोबार पर एक के बाद एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा व शराब की तस्करी करने वाले कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अलग–अलग थानों की टीमें बनाकर गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की और भारी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए। पहली कार्रवाई में थाना फेस–2 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस के आधार पर कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी करने वाले आरोपी रोहित सिंह (निवासी गोंडा, वर्तमान पता असगरपुर, सेक्टर–128) को सेक्टर–88 नोएडा से गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 2 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इस मामले में थाना फेस–2 में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। दूसरी कार्रवाई में थाना फेस–1 पुलिस ने गांजा तस्कर मानिक चौधरी (निवासी सेक्टर–10 जे. जे. कॉलोनी) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 1 किलो 150 ग्राम गांजा बरामद किया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8ध्20 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ। तीसरी कार्रवाई में थाना बीटा–2 पुलिस ने रियान गोलचक्कर के पास से गांजा बिक्री करने वाले तीन आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में शुभम कुमार, साहिल कुमार और विशाल कुमार शामिल हैं।

अब तीन किमी के अंदर होगा स्कूलों का विलय : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विलय को लेकर बड़ी खबर है। अब तीन किमी के अंदर आने वाले स्कूलों को मर्ज किया जाएगा। अभी तक एक किमी के अंदर के स्कूलों को मर्ज किया जा रहा था। इसके लिए शासन ने शिक्षा मंत्रालय के आदेश का अनुपालन करने के लिए संबंधित को निर्देश जारी कर दिए हैं। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने पत्र जारी करते लिखा कि 16 जून, 2025 को जारी निर्देश के क्रम में अपर्याप्त छात्र नामांकन वाले विद्यालयों को नजदीक के विद्यालयों के साथ पेयर किया जाए। इस दौरान स्थानीय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखें।

उन्होंने आगे कहा कि छोटे एवं कम संसाधनों वाले विद्यालयों को बड़े विद्यालयों के साथ जोड़ा जाए। जिन विद्यालयों में छात्र नामांकन 50 से कम है। उनकी पेयरिंग की जाए। इसके साथ ही प्राथमिक विद्यालयों की पेयरिंग एक किमी के अंदर तथा परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों की पेयरिंग तीन किमी के अंदर की जाए। इसको लेकर महानिदेशक, स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने निर्देशित किया कि शासन के निर्देशों का पालन किया जाए।बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि पेयरिंग की व्यवस्था के अंतर्गत 10,000 विद्यालयों को चिन्हित किया गया था। यह प्रक्रिया लगातार एक महीने से चल रही है। जिला स्तर के सभी अधिकारियों के साथ लगातार बैठक की जा रही है। इस पेयरिंग व्यवस्था को बच्चों के लाभ के लिए ही किया जाए, इस चीज को हम लोग पूर्ण रूप से सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अंतर्गत यह देखा गया जिन स्कूलों में कम छात्र स्कूल थे या फिर जहां पर शिक्षकों की उपलब्धता कम थी या फिर जहां–जहां पर शिक्षक ज्यादा थे और छात्र कम थे, इस तरह की जितनी भी चीज थी उन्हें मॉनिटर किया गया था। इन सभी चीजों को मॉनिटर करने के बाद इस पेयरिंग के फैसले को लिया गया है। इसके अंतर्गत कम छात्र वाले स्कूल को चिन्हित किया गया है। इसमें अधिकतम दूरी एक किलोमीटर है।संदीप सिंह ने साफ तौर पर कहा कि एक किलोमीटर से ज्यादा दूरी का कोई भी विद्यालय आपस में मर्ज नहीं किया जाएगा। सभी जिलों को इस संबध में निर्देशित कर दिया गया है। कम छात्र और कम संसाधन वाले विद्यालयों को ही मर्ज किया जाए। इन छात्रों को उन स्कूलों में मर्ज किया जाए, जहां ज्यादा संसाधन मौजूद हैं। पीटीआर (छात्र–शिक्षक अनुपात) को बराबर रखा जाए। प्री–प्राइमरी में 30 छात्रों पर एक शिक्षक और अपर प्राइमरी में 35 छात्रों पर एक शिक्षक के मानक को फॉलो करते हुए पेयरिंग व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने साफ किया कि 50 से कम छात्रों वाले स्कूलों को ही मर्ज किए गए है।

पीएम मोदी का जन्मदिन मनाने की तैयारी शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर प्रदेश भर में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम से सेवा पखवाड़ा मनाएगी। प्रदेश संगठन ने इसकी क्षेत्रवार तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी कड़ी में भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने गोरक्ष क्षेत्र के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। धर्मपाल ने कहा कि मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक बूथ अध्यक्ष को नियमित संवाद से रणनीति बनाकर काम करना है। प्रत्येक बूथ पर मजबूत व्यूह रचना तैयार कर भाजपा की जीत सुनिश्चित करें और विपक्ष के झूठ और भ्रम का पर्दाफाश करें। मतदाता पुनरीक्षण में सजगता के साथ हमें प्रत्येक घर तक पहुंचना है और ऐसे सभी नवमतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाना है, जो 18 वर्ष या उससे अधिक आयु पूर्ण कर चुके है।

इसके साथ ही ऐसे लोगों के नाम मतदाता सूची से हटवाने का काम भी करना है जो बूथ छोड़कर कहीं अन्यत्र रहने लगे हैं या दिवंगत हो चुके हैं। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों तथा योजनाओं में गरीब, शोषित, वंचित, उपेक्षित वर्ग के सामाजिक और आर्थिक उत्थान का भाव सर्वोपरि है।

बिल पर राष्ट्रपति–राज्यपाल के फैसलों के खिलाफ याचिका दायर नहीं कर सकते राज्य केंद्र की दलील

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि राज्य सरकारें उस फैसले के

खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका (मामला) नहीं कर सकतीं जो राष्ट्रपति या राज्यपाल ने विधानसभा से पास हुए विधेयकों पर लिया हो, चाहे राज्य यह कहे कि इससे लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह बात चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ के सामने कही। संविधान पीठ में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल थे। मेहता ने कहा कि राष्ट्रपति इस बात पर सुप्रीम कोर्ट की राय लेना चाहती हैं कि क्या राज्य सरकारें संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिकाएं दायर कर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति यह भी जानना चाहती हैं कि संविधान के अनुच्छेद 361 का दायरा क्या है। यह अनुच्छेद कहता है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने अधिकारों और कर्तव्यों के निर्वहन के लिए किसी भी अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे। मेहता ने संविधान पीठ को बताया कि इन सवालों पर पहले भी चर्चा हुई है। लेकिन राष्ट्रपति का मत है कि अदालत की स्पष्ट राय जरूरी है, क्योंकि भविष्य में ऐसा मामला फिर उठ सकता है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 32 के तहत राज्य सरकार की ओर से राष्ट्रपति या राज्यपाल के फैसलों को चुनौती देने वाली याचिका स्वीकार नहीं की जा सकती। न तो कोर्ट ऐसे मामलों में कोई निर्देश दे सकता है और न ही इन फैसलों को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने आगे कहा, अनुच्छेद 32 का उपयोग तब किया जाता है, जब मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है। लेकिन सांविधानिक ढांचे में राज्य सरकार खुद मौलिक अधिकार नहीं रखती।

हरियाणा की महिलाओं को मिलेंगे 2100 रुपये, सीएम ने किया एलान

चंडीगढ, (एजेंसी)। हरियाणा में दीन दयाल उपाध्याय लाडो लक्ष्मी योजना लागू करने की घोषणा कर दी गई है। योजना 25 सितंबर से लागू होगी। सीएम नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इसका एलान किया गया। कैबिनेट की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में सीएम सैनी ने कहा कि कैबिनेट ने महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा और सम्मान के लिए दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना को लागू करने का निर्णय लिया। पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर 25 सितंबर 2025 से इस योजना का शुभारम्भ होगा। सीएम ने बताया कि इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। 25 सितंबर को हरियाणा की 23 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। इसमें विवाहित और अविवाहित दोनों ही तरह की महिलाओं को लाभ मिलेगा। पहले चरण में, उन परिवारों को शामिल किया गया है, जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम है। आने वाले समय में, चरणबद्ध तरीके से अन्य आय समूह को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए अविवाहित महिला का या विवाहित महिला के पति का हरियाणा में पिछले 15 साल से मूल निवासी होना अनिवार्य होगा। इस योजना के तहत एक परिवार में महिलाओं की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। यदि एक परिवार में तीन महिलाएं हैं, तो उन तीनों महिलाओं को लाभ मिलेगा। सीएम ने कहा कि सरकार द्वारा पहले से चलाई जा रही ऐसी नौ योजनाओं, जिनमें आवेदिका को पहले से ही अधिक राशि की पेंशन का लाभ मिल रहा है, उन्हें लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को लोगों का मताधिकार नहीं छीनने दूंगी

कोलकाता, (एजेंसी)। बिहार के बाद अन्य राज्यों में गहन मतदाता पुनरीक्षण को लेकर सियासी विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्ष इसे लेकर लगातार मोदी सरकार और चुनाव आयोग का विरोध कर रहा है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने खुले शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा की एक रैली को संबोधित करते कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने देंगी। कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा की रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने के उद्देश्य से सर्वेक्षण करने के लिए देश भर से पश्चिम बंगाल में 500 से ज्यादा टीमें तैनात की हैं। रैली में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि अब आपको खुद जांच करनी होगी कि आपका नाम अभी भी मतदाता सूची में है या कट गया है। उन्होंने आगे कहा कि जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने दूंगी। सीएम बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने दावा किया कि आयोग का अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान के तीन महीनों तक है, पूरे साल नहीं। आगे बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोगों को स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बंगालियों द्वारा निभाई गई भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर बंगाली भाषा ही नहीं है, तो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किस भाषा में लिखे गए हैं? वे चाहते हैं कि लोग स्वतंत्रता संग्राम में बंगालियों की ऐतिहासिक भूमिका को भूल जाएं। हम इस भाषाई आतंक को बर्दाश्त नहीं करेंगे ।

धर्म पूजा पद्धति नहीं...विविधता में संतुलन का ज्ञान, धर्मांतरण की कोई जगह नहीं : मोहन भागवत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि अपने देश में धर्म का अर्थ पूजा पद्धति नहीं है। विविधता के बीच संतुलन स्थापित करने का ज्ञान है। इसी ज्ञान के सहारे दो बार बड़ी गुलामी झेलने के बावजूद हम राष्ट्र के रूप में अपना अस्तित्व बचाने में कामयाब रहे। हमारे धर्म में धर्मांतरण की जगह नहीं है। भागवत ने व्याख्यानमाला में कहा कि संघ जैसा विरोध किसी संगठन का नहीं हुआ। शुरुआती कटु अनुभवों और विरोध के बावजूद संघ की साख बनी हुई है। इसका कारण समाज के लिए संघ की प्रेम के प्रति निष्ठा है। आज संघ विचारों के प्रति अनुकूलता है। साख के

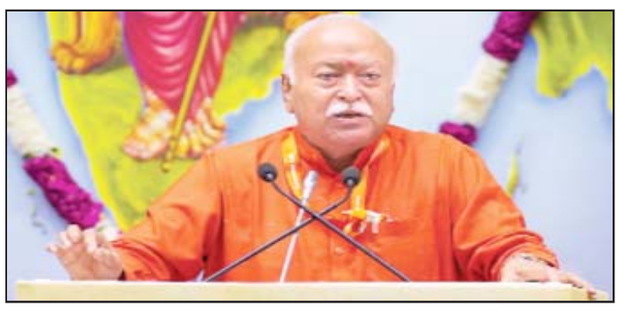

कारण हमारी स्वीकार्यता बढ़ गई। भागवत ने यह भी कहा, विरोध अब भी होते हैं, पर विरोध की धार भोथरी हो गई, क्योंकि हमने मैत्री, विरोधी विचारों के प्रति उपेक्षा, अच्छे विचारों की स्वीकार्यता और दुर्भाव रखने वालों के प्रति भी करुणा को मूल मंत्र बनाया। उन्होंने कहा, जहां दुख पैदा होता है, वहां धर्म नहीं। दूसरे धर्म की बुराई करना धर्म नहीं है। भागवत ने कहा, प्रगति की गति पहचाननी पड़ेगी। सामाजिक समरसता का कार्य कठिन होते हुए भी करना ही होगा। इसके अलावा कोई उपाय नहीं है। मंदिर, पानी और श्मशान में कोई भेद न रहे, कोई रोकटोक न हो। भागवत ने कहा, हमारा ध्येय विश्व कल्याण है। हम चाहते हैं कि दुनिया के हर देश के पास अपना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हो। ऐसा संघ जो हमारी तरह अपनी मिट्टी और मूल से जुड़ा हो। दुनियाभर में फैलती जा रही संघ की शाखाओं से यह संदेश जा रहा है। भविष्य में संदेश और व्यापक होगा। दुनिया का संकट उपभोक्तावाद के सिद्धांत से उपजे अपनी चिंता करने के विचार से है। इससे अमर्यादित विकास से पर्यावरण नष्ट होता है। पहले विश्वयुद्ध के बाद लीग ऑफ नेशन बना। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र बना। इसके बावजूद दुनिया में संघर्ष कम होने के बजाय बढ़ता चला गया।

बिहार की जनता होशियार, कटे वोट फिर जोड़े भी जाएंगे : राहुल गांधी

सीतामढ़ी, (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी गुरुवार को वोटर अधिकार यात्रा के क्रम में सीतामढ़ी पहुंचे। यहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार में एसआरआई के जरिए काटे गए नामों को लेकर चुनाव आयोग को घेरा। उन्होंने कहा कि ये अभी वोट काटे गए हैं लेकिन नए नाम जोड़े भी जाएंगे। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर वोट का अधिकार समाप्त हो गया या वोट कट जाएगा तो गरीबों के पास कुछ नहीं बचेगा। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि अभी वोट काटा जा रहा है, उसके बाद राशन कार्ड समाप्त किया जाएगा और उसके बाद जमीन छीन ली जाएगी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में वोट चोरी कर सत्ता में पहुंचे हैं। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में हमारे गठबंधन को अधिक सीटें आईं, लेकिन चार महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में हमारा गठबंधन दिखा तक नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां लाखों नाम जोड़कर वोट चोरी की गई। कांग्रेस नेता ने बिहार में इस यात्रा की शुरुआत करने के उद्देश्य को लेकर कहा कि चुनाव आयोग को यह पता चल जाए कि बिहार की जनता होशियार है। उन्होंने संविधान की चर्चा करते हुए कहा कि आजादी के पहले दलित को अछूत कहा जाता था। आजादी के बाद संविधान के जरिए उन्हें अधिकार दिए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि बिहार की मतदाता सूची से जो 65 लाख नाम काटे गए हैं, ।

केजरीवाल ने टैरिफ के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर टैरिफ के मुद्दे पर पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। साथ ही अरविंद केजरीवाल ने डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका से आने वाली कपास भारत में बहुत सस्ती है, इससे भारतीय किसानों को नुकसान होगा। केजरीवाल ने केंद्र सरकार से कपास पर टैरिफ बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने कहा ट्रंप के टैरिफ के आगे पीएम मोदी बेबस क्यों हैं? आम आदमी पार्टी

7 सितंबर को गुजरात में इसके खिलाफ प्रदर्शन करेगी। अरविंद केजरीवाल ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका से आने वाली कपास भारत में 15–20 रुपये प्रति किलो सस्ती मिल रही है। ऐसे में भारतीय किसान अपनी कपास किसे बेचेंगे? किसानों की कपास अक्ष्टूबर में बाजार में आएगी। तब तक टेक्सटाइल इंडस्ट्री अमेरिका से कपास खरीद चुकी होगी। इससे भारत के किसानों को कोई खरीदार नहीं मिलेगा। : ड्यूटी हटा दी गई है और अब अमेरिका से आने वाली कपास पर कोई ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी। ये ड्यूटी केवल 40 दिनों (19 अगस्त से 30 सितंबर तक) तक हटाई गई है। ये देश के किसानों के साथ बहुत बड़ा धोखा है। अब जो अमेरिका से कपास आएगी वो भारत के किसानों के कपास से सस्ती होगी। तो भारत के किसान कहां जाएंगे और किसानों का कपास कौन खरीदेगा। केजरीवाल ने कहा कि इससे गुजरात, तेलंगाना, पंजाब और विदर्भ जैसे राज्यों के किसान प्रभावित होंगे। यह वो इलाका है जहां सबसे ज्यादा किसान आत्महत्या करते हैं। केजरीवाल ने दूसरे देशों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि चीन ने अमेरिका पर 125% टैरिफ लगाया। कनाडा और यूरोपीय यूनियन ने भी अपना टैरिफ बढ़ाया। इससे ट्रंप को झुकना पड़ा। केजरीवाल ने ट्रंप को श्कायर आदमीश बताया। उन्होंने कहा कि ट्रंप के टैरिफ से एक्सपोर्ट बंद हो गया। केजरीवाल ने कहा कि भारत 140 करोड़ लोगों का देश है, यह सिर्फ उद्योग का नहीं, बल्कि देश के सम्मान का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ देशवासी देश के साथ खड़े हैं।

संपादकीय

आपदा में अवसर

रूसी कच्चा तेल खरीदने पर सबक सिखाने के मकसद से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा थोपे गए पचास फीसदी टैरिफ कल से लागू हो गए। निस्संदेह, यह भारतीय आर्थिकी की सहनशक्ति हेतु अग्निपरीक्षा है। एक स्वतंत्र राष्ट्र के नाते भारत को अपनी संप्रभुता की रक्षा का अधिकार है। हमने दबाव में आए बिना चुनौती का मुकाबला किया है। प्रधानमंत्री ने स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत तथा मेक इन इंडिया का उद्घोष किया है। सरकार ने फ्री ट्रेड के नाम पर भारतीय बाजार में खाद्यान्न व दुग्ध उत्पाद खपाने के अमेरिकी मंसूबों पर पानी फेरा है। भारत ने स्पष्ट किया है कि भारत किसानों, दुग्ध उत्पादकों और लघु उद्योगों के हितों से किसी तरह का समझौता नहीं करेगा। इसके बावजूद आशंका है कि नये टैरिफ लगाने का कपड़ा, चमड़ा व रत्न–आभूषण जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ेगा। जिसके चलते लाखों भारतीयों के रोजगार पर खतरा मंडरा सकता है। निस्संदेह, पचास फीसदी टैरिफ लगाए जाने से भारतीय उत्पादों की लागत में काफी वृद्धि हो जाएगी, जिसके चलते वहां उपभोक्ता अन्य देशों के सस्ते उत्पाद तलाश सकते हैं। दरअसल, इन टैरिफों से भारत की दोहरी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अमेरिका न केवल भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है, बल्कि ऐसा साझेदार था, जिसके कारोबार का करीब 45 अरब डॉलर का अधिशेष भारत के पक्ष में था। वहीं दूसरे बड़े व्यापार साझेदार रूस व चीन के साथ हम व्यापार घाटे की स्थिति में हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से सस्ता तेल आयात कर भारत द्वारा अर्जित मौद्रिक लाभ को अमेरिका निशाने पर ले रहा है। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में भारत सरकार की तात्कालिक प्राथमिकताएं कपड़ा, चमड़ा और रत्न–आभूषण के लिये निर्यात खपाने वाले वैकल्पिक बाजारों की तलाश करना होना चाहिए। इसके अलावा प्रभावित व्यावसायों को वित्तीय सहायता प्रदान करके लाखों नौकरियों को बचाने की जरूरत है। साथ ही अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को पटरी पर लाने का प्रयास हो। दरअसल, भारतीय चिंता यह है कि नये टैरिफ से अमेरिका के साथ होने वाला 66 फीसदी निर्यात प्रभावित होने जा रहा है। ऐसी स्थिति में जब अमेरिका को होने वाले बीस फीसदी भारतीय निर्यात पर टैरिफ प्रभाव दिख रहा है,तो इसका असर भारतीय अर्थव्यस्था पर होना लाजिमी है। निर्यात में कमी आने से देश में बेरोजगारी बढ़ सकती है। चिंता की बात यह है कि टैरिफ से अधिक प्रभावित होने क्षेत्र सघन श्रम वाले हैं, जिससे लाखों रोजगारों पर असुरक्षा की तलवार लटक सकती है। स्थिति साफ है कि भारतीय उद्योग इस टैरिफ के बोझ को सहन करने की क्षमता नहीं रखते। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका के टैरिफ युद्ध से यूरोप समेत दूसरे देश भी खासे प्रभावित हैं। उत्पादों का अतिरेक पैदा होने से कीमतों में गिरावट आ सकती है और अन्य देश भी टैरिफ लगाने को बाध्य हो सकते हैं। वहीं चीन आदि सस्ते उत्पाद बेचने वाले देशों से हमारी स्पर्धा बढ़ सकती है। वहीं टैरिफ वॉर तथा रूस–यूक्रेन युद्ध व मध्यपूर्व में जारी संघर्ष से वैश्विक आर्थिक अस्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत में नये निवेश की संभावनाएं भी कम होंगी। जो भारतीय आर्थिकी की मुश्किल बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। हालांकि, प्रधानमंत्री सुधार, प्रदर्शन और बदलाव बढ़ाने का आह्वान कर रहे हैं, लेकिन भारत में बड़े पैमाने पर आर्थिक सुधारों की जरूरत है।

सोशल मीडिया उपदेशकों के संजाल से बेहाल

विजय

सोशल मीडिया का कोई भी मंच और सीखने–सिखाने का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा है, जहां सैकड़ों–हजारों उपदेशकों की फौज मौजूद न हो। इनके पास शिक्षा देने की कोई डिग्री या विशद अनुभव है भी या नहीं– चूंकि इसकी जांच का कोई तरीका नहीं है। एक फिल्मी कहावत है कि ज्ञान जहां से भी मिले, लपेट लेना चाहिए। इस ज्ञान के जरिए कम कीमत वाले (पेनी) स्टॉक्स को बढ़ावा देने वाले ऑपरेटरों के साथ मिलकर खुदरा निवेशकों को गुमराह कर रहे हैं। यूट्यूब पर करीब एक लाख नियमित सब्सक्राइबर रखने वाले साठे को लेकर संदेह है कि अपने पाठ्यक्रमों से जुड़े सेमिनार और यूट्यूब चौनल के जरिए जिस तरह से वह खुद को बाजार का विशेषज्ञ बताकर और रातोरात करोड़ों रुपये कमाने का

बांटू और बटोरू मानसिकता का अगर सबसे ज्यादा असर कहीं हुआ है, तो सोशल मीडिया उपदेशकों के क्षेत्र में हुआ है। खासतौर से सोशल मीडिया का कोई भी मंच और सीखने–सिखाने का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा है, जहां सैकड़ों–हजारों उपदेशकों की फौज मौजूद न हो। इनके पास शिक्षा देने की कोई डिग्री या विशद अनुभव है भी या नहीं– चूंकि इसकी जांच का कोई तरीका नहीं है। इसलिए सिर्फ प्रभावशाली उपदेश देकर बरास्ता सोशल मीडिया ये लोग शिक्षा, तकनीक, अध्यात्म से लेकर शेयर मार्केट तक में छाए हुए हैं। इसका नतीजा क्या है– यह बानगी हाल में कथित तौर पर देश के जाने माने फाइनेंशियर इन्फ्लूएंसर और ट्रेडिंग एडवाइजर अवधूत साठे की ट्रेनिंग एकेडमी पर शेयर बाजार नियामक संस्था सेबी के छापे और तलाशी–जब्ती अभियान से स्पष्ट होती है। सेबी को अंदेशा है कि साठे की अकादमी के पाठ्यक्रमों झांसा देते हैं, उसमें कुछ न कुछ झोल अवश्य है। सेबी को इसकी तमाम शिकायतें मिली हैं कि देश में फाइनेंशियल इन्फ्लूएंसरों की एक ऐसी फौज पैदा हो गई है, जो निवेशकों को शेयर बाजार की शिक्षा देते हुए गारंटिड रिटर्न का दावा करती है, जबकि ऐसे ज्यादातर लोग सेबी के नियमों के तहत यह शिक्षा देने के लिए पंजीकृत तक नहीं हैं। हालांकि उपदेशक होना बुरा नहीं है। हर दौर में देश और समाज को दिशा दिखाने और सही–गलत का फर्क बताने वाले विद्वानों, ऋषि–मुनियों, साधु–फकीरों की जमात की मौजूदगी रही है। ये उपदेशक बताते थे कि क्या और कैसे बोला जाए, आहार और दिनचर्या क्या हो, आदर–सम्मान के क्या तौर–तरीके हैं। तभी मन का आपा न खोने वाली वाणी बोलने की सलाह देने वाले कबीरदास को संत की उपाधि दी गई। आज के संदर्भों में देखा जाए तो संत कबीर पुराने वक्त के इन्फ्लूएंसर थे। हाल की कुछ घटनाओं में उपदेशकों की भूमिका को संदिग्ध माना गया है। जैसे, साल के शुरू में सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे वीडियो वायरल हुए थे कि जब मनाली से लेकर अयोध्या–काशी में पर्यटकों की फौज उमड़ी पड़ रही थी, तो उसी दौरान अपने मनोरम समुद्र तटों के लिए मशहूर गोवा के समुद्री किनारे (बीच), होटल आदि खाली पड़े थे। इन दावों को गोवा सरकार ने फर्जी बताते हुए झूठ परोसने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसरों पर मानहानि का दावा ठोकने की बातें कही थीं। सरकार का दावा था कि कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर एक टूलकिट इस्तेमाल कर रहे हैं। इस टूलकिट के जरिए वे पर्यटकों को गोवा से मुंह मोड़कर दूसरी जगहों पर जाने की भ्रामक जानकारी दे रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक हमारे ही देश में इस वक्त 40.6 लाख से ज्यादा सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर मौजूद हैं, जिनमें से 10 फीसदी हर महीने लाखों रुपये कमाते हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर इंस्टाग्राम, यूट्यूब, फेसबुक आदि तमाम मंचों पर हर किस्म का ज्ञान परोस रहे हैं। घुमक्कड़ी , खाना बनाने–पकाने, फैशन टिप्स से लेकर वीडियो के संपादन और शेयर बाजार के खिलाड़ी बनाने तक के गुर बताने वाले इन्फ्लूएंसर्स की संख्या भी लाखों में है। इनमें से सैकड़ों ऐसे भी हैं, जिनके शुभचिंतकों (फॉलोवर्स) की संख्या भी लाखों–करोड़ों में है। इधर कुछ वर्षों से विभिन्न राजनीतिक दल जिस प्रकार खुद सोशल मीडिया का बढ़–चढ़कर इस्तेमाल करने से लेकर इन्फ्लूएंसर्स की सेवाएं भी लेने लगे हैं, उसका निष्कर्ष है कि इन सोशल मीडिया उपदेशकों का सही या गलत– कुछ प्रभाव तो होता ही है। यही वजह से ऑनलाइन सामान और सेवाएं बेचने वाली कंपनियां तो विविध तरह से भुगतान करके इनकी सेवाएं लेती हैं। लेकिन यहां सवाल है कि इन्हें सही करने या इन्हें रोकने–टोकने का जिम्मा आखिर किसका है। इसमें तो संदेह नहीं है कि सोशल मीडिया मंचों ने हर व्यक्ति को अपनी बात खुलकर कहने का अवसर देकर नागरिकों को सशक्त बनाया है। मुसीबत तब शुरू हुई जब एक तरफ सोशल मीडिया कंपनियों ने यह फैसला अपने हाथ में ले लिया कि लोग ऑनलाइन क्या देखें और क्या नहीं। दूसरी तरफ, इनके विभिन्नों मंचों पर अधकचरी जानकारी के साथ आने वाले उपदेशकों ने हर क्षेत्र में हाथ आजमाने की कोशिश की। इनमें से ज्यादातर के पास न तो संबंधित ज्ञान परोसने की कोई डिग्री है और न ही ऐसा विशद अनुभव, जिसके आधार पर उन्हें विद्वान माना जा सके। लेकिन कहने की शैली और डिजिटल प्रबंधों के बल पर ये कोई भी बात इस तरह पेश करते हैं कि आम लोग बड़ी आसानी से इनके प्रभाव में आ जाते हैं। समस्या का एक छोर यह है कि ये इन्फ्लूएंसर अपनी लोकप्रियता का फायदा उठाकर लोगों को घटिया या फर्जी उत्पाद खरीदने को प्रेरित करते हैं। इंग्लैंड की पोर्ट्समाउथ यूनिवर्सिटी ने एक शोध में बताया कि इन्फ्लूएंसर की सलाह पर 16–60 साल की उम्र के बीच करीब 22 फीसदी उपभोक्ताओं ने ऐसे नकली उत्पाद खरीद लिए, जिन्हें इन्फ्लूएंसर्स ने प्रमोट किया था। हालांकि एक्स (ट्विटर), फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम आदि ने फेक (नकली) अकाउंट की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने जैसे उपायों को लागू किया है, लेकिन यह रोकथाम बहुत असरदार नहीं रही है। इनमें से बहुत से ऐसे हैं जो अपना प्रभाव दिखाने के लिए पैसे देकर अपने फॉलोअर और व्यूज बढ़ाते हैं। देश में बड़ी संख्या में युवाओं के शेयर बाजार में ट्रेडिंग को लेकर बढ़ती दिलचस्पी को देखकर जब बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया पर वित्तीय सलाह देने वाले विशेषज्ञों (फाइनेंशियल इनफ्लुएंसर्स या फिनफ्लूएंसर) की बाढ़ आ गई ।

खेल ढांचों, कार्यप्रणाली में सुधार के हों बेहतर प्रावधान

विनय

नये खेल कानून में राष्ट्रीय खेल बोर्ड का गठन, चुनाव निगरानी तथा जनहित में केंद्र द्वारा कोई भी फैसला लेने का हक जैसे प्रावधान हैं। मकसद ओलंपिक मेजबानी पाने को खेल ढांचों को चुस्त–दुरुस्त व विनियमित करना है। बेहतर होता यदि नये कानून से खेल प्रदर्शन में सुधार के साथ महिलाओं के लिए समानता यकीनी बनती। हाल ही में संसद ने राष्ट्रीय खेल बिल पास किया, जो राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद अब कानून बन चुका है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे गत 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया था। इसका संदर्भ 2036 में देश में ओलंपिक आयोजन की मेजबानी पाने के लिए अपने खेल ढांचों को चुस्त–दुरुस्त व विनियमित करना बताया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय खेल बोर्ड का गठन, राष्ट्रीय न्यायाधिकरण का गठन, चुनाव की निगरानी तथा जनहित में केंद्र सरकार द्वारा किसी भी समय कोई भी फैसला लेने का हक अपने हाथ में लेना आदि प्रावधान किए गए हैं। निस्संदेह, हमारे खेल ढांचों, इनकी कार्यप्रणाली तथा खेल संचालन में अत्यधिक सुधारों की जरूरत थी, मगर शायद ही वर्तमान विधेयक इन उद्देश्यों की पूर्ति करे। जहां बुनियादी तौर पर खेल जगत के शासन–प्रशासन में कई कमियां प्रतीत होती हैं वहीं ओलंपिक में हमारा खेल प्रदर्शन भी संतोषजनक नहीं है। बेहतर होता कि उस पहलू का संबोधन इस कानून में किया जाता। तय है कि सुविधाओं व संसाधनों के वर्तमान स्तर से तो मेडल टैली में सुधार की अपेक्षा नहीं की जा सकती। कम से कम जिन महत्वपूर्ण प्रगति उन्मुख बिंदुओं को पूर्व में नोट करते आ रहे थे, उनका संबोधन तो इस बिल के माध्यम से होना ही चाहिए था। उदाहरण के तौर पर रियो ओलंपिक में जब देश ने केवल दो मेडल जीते, उनका श्रेय महिलाओं को ही गया। पीवी सिंधु ने बैडमिंटन में सिल्वर तथा साक्षी मलिक ने कुश्ती में कांस्य जीता। तब प्रधानमंत्री ने स्वयं कहा था कि अब हम अपने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' नारे में 'बेटी खिलाओ' भी जोड़ते हैं। उसके बाद भले उस नारे को भुला दिया गया हो, मगर बेटियां खेल में बेहतर प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। नारे पर कार्रवाई तो दूर की बात थी, जो हकीकत में बेटियों के साथ हुआ, उसको लेकर 2022–23 में जंतर–मंतर पर महिला खिलाड़ियों के आंदोलन का भी देश गवाह बना। खेल संचालन के जिम्मेदार पदों पर बैठे पदाधिकारियों के आचरण ने समाज व अभिभावकों के दिमाग में खेलों में बेटियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए। इससे निराशा ही फैली जिसे छांटने का यह सही मौका था। बेहतर होता यदि खेल शासन–नियमन में ग्लोबल स्तर पर महिलाओं को खेलों में हर स्तर पर समानता व सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली वैधानिक व्यवस्थाओं को इस विधेयक का हिस्सा बनाते। ऐसा करके देश का मनोबल बढ़ाने वाला संकेत देना चाहिए था। चीन, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, मेक्सिको, न्यूजीलैंड, रवांडा, स्वीडन आदि देशों ने खेलों के शासन व भागीदारी में महिलाओं के संदर्भ में समयबद्ध लक्ष्य तय किए हैं। उन्हें लागू करने के लिए उच्च स्तरीय व जवाबदेह समितियां बनाई गई हैं। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा इन लक्ष्यों को हासिल करने में आने वाली चुनौतियों को भी स्पष्टता के साथ चिन्हित किया गया है। जबकि हमारे कानून में मात्र दो पंक्तियां लिखकर पल्ला झाड़ लिया गया। ऐसे मौकों पर विश्वस्तरीय उदाहरणों का लाभ न लेना नीति निर्धारकों व जमीनी स्तर पर महसूस की जाने वाली जरूरतों में अलगाव ही इंगित करता है। हालांकि सभी खेल संघों को आरटीआई के दायरे में लाना अच्छा कदम है।

..... विविध .....

साइकोलॉजिस्ट बन सुलझाएं मानव व्यवहार की गुत्थियां

जिन युवाओं की रुचि मानव व्यवहार को समझने में है, वहीं वे धैर्यवान और संवेदनशील भी हैं तो कैरियर बनाने को साइकोलॉजी का क्षेत्र उनके लिए उपयुक्त है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक भारत में हर एक लाख लोगों पर कम से कम तीन साइकोलॉजिस्ट चाहिए, जबकि अभी ठीक से एक भी नहीं है। अतः इस क्षेत्र में कैरियर बनाने की बेहतर संभावनाएं मौजूद हैं। आज मानसिक तनाव और रिश्तों की जटिलता का दौर है। जिस कारण लोग पहले से कहीं ज्यादा मानसिक बीमारियों के शिकार होने लगे हैं, इस कारण समाज में साइकोलॉजिस्ट या मनोवैज्ञानिकों की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। जबकि भारत में मनोवैज्ञानिकों की भारी कमी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक भारत को हर एक लाख लोगों पर कम से कम तीन साइकोलॉजिस्ट चाहिए, जबकि अभी ठीक से एक भी नहीं है। अतः इस क्षेत्र में कैरियर बनाने की बेहतर संभावनाएं मौजूद हैं। रकारी ही नहीं, निजी क्षेत्र भी अब इस समस्या पर काफी निवेश कर रहे हैं, इसलिए अगले दस सालों तक भारत में साइकोलॉजिस्ट की मांग लगातार बढ़ेगी। जानिये, साइकोलॉजी के क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए चरण–दर–चरण क्या करें।

चुनें सही विषयों का कॉम्बिनेशन

जब 11वीं, 12वीं में पढ़ रहे हों तो साइकोलॉजी में कैरियर बनाने के लिए सही विषयों का कॉम्बिनेशन चुनें। साइकोलॉजी में छह किस्म के कैरियर आमतौर पर होते हैं। क्लीनिकल साइकोलॉजी, काउंसलिंग साइकोलॉजी, ऑर्गेनाइजेशन साइकोलॉजी, एजुकेशन साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स साइको लॉजी और फारेंसिक साइकोलॉजी। अगर साइको लॉजी को अपना कैरियर बनाना चाहते हैं तो या तो शुरू से आर्ट स्ट्रीम में आगे बढ़ें या साइंस में। अगर आपके स्कूल में साइकोलॉजी विषय उपलब्ध न हो तो 12वीं में साइकोलॉजी, बायोलॉजी, सोशलॉजी, होम साइंस और इंग्लिश विषयों का कॉम्बिनेशन सबसे बढ़िया हैं। अगर आपके स्कूल में साइकोलॉजी नहीं हो तो ग्रेजुएशन में इसे चुन सकते हैं। अगर मेडिकल संबंधी साइकोलॉजी को चुनना है, तो बीएससी इन साइकोलॉजी या अप्लाइड साइकोलॉजी में ग्रेजुएशन करें। अगर काउंसलिंग या इंडस्ट्रियल साइकोलॉजी में कैरियर बनाना चाहते हैं तो बीए इन साइकोलॉजी ठीक रहेगी। पोस्ट ग्रेजुएशन करके साइकोलॉजी के लिए कैरियर के बेहतर दरवाजे खुलते हैं। ऐसे में आप एमए या एमएससी इन साइकोलॉजी कर सकते हैं। साइकोलॉजी में कैरियर बनाने के लिए विशेषज्ञता का क्षेत्र चुनना जरूरी है। ये क्षेत्र हैं– क्लीनिकल साइकोलॉजी, काउंसलिंग साइकोलॉजी, इंडस्ट्रियल या ऑर्गेनाइजेशन साइकोलॉजी, चाइल्ड साइको लॉजी, फारेंसिक साइकोलॉजी और स्पोर्ट्स साइकोलॉजी। आगे की पढ़ाई और लाइसेंस हासिल करने के लिए रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया (आरसीआईबी) से मान्यता प्राप्त कोर्स करना जरूरी है, इसके बाद ही आप निजी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थान

भारत में साइकोलॉजी की पढ़ाई करने वाले कुछ महत्वपूर्ण संस्थान हैं– दिल्ली यूनिवर्सिटी , टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई , जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली व अंबेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली , बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी , क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बैंगलुरु, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज (विमहांस)। हेल्थ साइकोलॉजी और क्लीनिकल रिसर्च के लिए एम्स (दिल्ली)।

यहां मिलेगी नौकरी

क्लीनिक साइकोलॉजी पढ़ने वालों को अस्पतालों, मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों और निजी क्लीनिकों में नौकरी मिल सकती है, जहां आप रोगियों की मानसिक बीमारियों का निदान और इलाज करते हैं। जबकि काउंसलिंग साइकोलॉजी की पढ़ाई करने वालों को स्कूल, कॉलेज, एनजीओ, रिहैब सेंटर आदि में नौकरी मिलती है। यहां आपको छात्रों, परिवारों या नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों की मदद करनी होती है। ऑर्गनाइजेशन साइकोलॉजी पढ़ने वाले कारपोरेट कंपनियों के एचआर विभाग, इम्प्लाई ट्रेनिंग और रिक्रूटमेंट विभाग में नौकरी तलाश सकते हैं, जबकि एजुकेशन साइकोलॉजी वालों को स्कूलों में चाइल्ड काउंसलर के रूप में और एग्जाम स्ट्रेस, कैरियर गाइडेंस और लर्निंग डिसएबिलिटी जैसी समस्याओं को दूर करने की जिम्मेदारी निभानी होती है। साइकोलॉजी की पढ़ाई करके जिन विशेष क्षेत्रों में खास कैरियर बनता है वो हैं– स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, फारेंसिक साइकोलॉजी, मिलिट्री साइकोलॉजी और साइकोलॉजी के क्षेत्र में रिसर्च।

शुरुआती सैलरी

जहां तक सभी क्षेत्रों के लिए शुरुआती सैलरी का सवाल है, तो बीए और बीएससी करने वालों को शुरू में ही 20 से 25 हजार रुपये महीने की नौकरी मिल जाती है। एमए/एमएससी वालों को स्कूलों में काउंसलिंग जॉब के तहत 30 से 40 हजार रुपये महीने और गैर सरकारी संस्थानों में 35 से 45 हजार रुपये महीने की नौकरी मिल सकती है। कारपोरेट क्षेत्र में शुरुआती वेतन 40 से 60 हजार रुपये हो सकता है। अगर आपने एमफिल और पीएचडी कर रखी है या आरसीआई लाइसेंस आपको मिला हुआ है,

कामयाब कैरियर के लिए उम्र के हर पड़ाव पर रहें सजग

मौजूदा प्रतिस्पर्धा के दौर में प्रोफेशनल सफलता के लिए गंभीरता जरूरी है। किस सब्जेक्ट में रुचि व महारत हासिल है, स्कूल के समय ही इसका आकलन कर स्ट्रीम का चुनाव करना होता है। फिर लक्ष्य के मुताबिक स्नातक डिग्री व स्किल्स हासिल कर जॉब की शुरुआत करते हैं। इसके बाद 23–30 साल स्थायित्व के लिए व फिर 10 साल ग्रोथ पर ध्यान देना चाहिये। दरअसल, जिंदगी के अलग–अलग पड़ावों में अलग–अलग तरह की सजगता चाहिये।

जीवन में कामयाब कैरियर हासिल करने के लिए वह सही समय क्या होता है, जब हमें इसके लिए गंभीर हो जाना चाहिए। हालांकि अगर आप कामयाब लोगों से यह सवाल पूछेंगे, तो वे कहेंगे, ' कैरियर किसी एक उम्र से बंधा नहीं होता बल्कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि इंसान कब अपनी रुचियों, क्षमताओं और जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से समझता है और उन्हें सही तरीके से इस्तेमाल करते हुए अपने कैरियर को ऊंचाई देता है।'लेकिन ये जवाब कामयाबी के बाद की बेफिक्री से जुड़ा लगता है। सही बात यह है कि अगर हमें जीवन में अपने कामयाब कैरियर के लिए सजग रहना है तो जिंदगी के अलग–अलग पड़ावों में अलग–अलग तरह की सजगता बहुत जरूरी है।

स्कूल टाइम (15–18 साल)

यह वह समय होता है, जब कोई भी छात्र अपनी पढ़ाई, पढ़े जाने वाले विषय और उन विषयों में अपना रुझान पहचानना शुरू करता है। इस उम्र में जाहिर है किसी का कैरियर नहीं शुरू होता, मगर इस उम्र में भविष्य के कामयाब कैरियर के लिए सजग हो जाना जरूरी है। क्योंकि उसी के मुताबिक आपको आगे पढ़े जाने वाले विषयों की स्ट्रीम (आर्ट, कॉमर्स, साइंस) तय करना होता है और जिस पर बेहतर रुझान होता है, उसी दिशा में आगे कैरियर विकल्प पर फोकस करना होता है। इसलिए इस उम्र में जरूरी है– पढ़ने की आदत और अनुशासन विकसित करना। तो अपनी स्ट्रीम के मुताबिक अपनी रुचि को पहचानें और उसे उस समय के हिसाब से विकसित करने की कोशिश करें। उम्र का यही वह पड़ाव होता है, जब हममें कामयाब कैरियर की जाने–अनजाने नींव पड़ती है। तय होता है कि हम भविष्य में किस दिशा में जाएंगे।

कॉलेज/स्नातक (18–23 साल)

कैरियर के लिए हमारी जिंदगी में असली और सर्वाधिक सीरियस होने का यही समय है, क्योंकि इसी समय हमें डिग्री मिलती है और डिग्री के साथ–साथ हम स्किल डेवलपमेंट, इंटर्नशिप या अपने ड्रीम कैरियर के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। इस समय कैरियर को लेकर सर्वाधिक गंभीरता की जरूरत पड़ती है, क्योंकि इस उम्र में हममें सबसे ज्यादा ऊर्जा होती है। वहीं असफल होकर नये सिरे से कैरियर शुरू करने का हौसला भी रहता है।

युवावस्था का समय (23–30 साल)

यह समय शुरुआती कैरियर शुरू हो जाने के बाद उसे स्थिरता प्रदान करने का होता है। क्योंकि अब वास्तव में कैरियर शुरू हो चुका होता है और उसे मजबूत व स्थिर बनाना हमारे हाथ में होता है। इसलिए इस उम्र में ज्यादा से ज्यादा कैरियर के इस मोड पर फोकस करना चाहिए। उम्र के इस पड़ाव पर हमें सिर्फ कैरियर के लिए पढ़ाई पर ही ध्यान नहीं देना होता बल्कि नेटवर्किंग, अनुभव और सही अवसर पकड़ने की कोशिश पर होता है। क्योंकि अगर 23 से 30 के बीच हमारे कैरियर की दिशा अच्छी तरह से तय हो गई, तय होने के साथ–साथ इस दिशा में अगर हमने अपने आपको मजबूती से जमा लिया, तो आगे विकास और पदोन्नति आसान हो जाती है। अगर इस उम्र में हम डावांडोल रहे, तो हो सकता है बहुत अच्छा कैरियर बन जाए, लेकिन इस बात की भी आशंका रहती है कि कैरियर डगमगा जाए। क्योंकि अब तक हम उच्च शिक्षा हासिल कर चुके होते हैं, नौकरी शुरू कर चुके होते हैं, उसका कुछ सालों का अनुभव भी होता है और इस अनुभव के दौरान अगर हमें लगता है कि हममें उच्च शिक्षा की कुछ कमी है तो हम नौकरी करते हुए या नौकरी छोड़कर उस क्षेत्र विशेष में स्पेशलाइजेशन, एमबीए, मार्स्ट्स या प्रोफेशनल कोर्स करते हैं। अगर हमारा पहला बुनियादी कैरियर बनाने के बाद दूसरे ड्रीम कैरियर के रूप में यूपीएससी या दूसरे हाई कंपटीटिव कैरियर सपने में होते हैं, तो इस उम्र में हम एक कैरियर में रहते हुए इनकी मजबूती से तैयारी करते हैं। इसी उम्र में स्टार्टअप शुरू करना, रिसर्च करना या जॉब के साथ फ्रीलांसिंग के अवसर पकड़ना होता है। पूरे कैरियर में सबसे ज्यादा मेहनत इसी दौरान होती है और सबसे ज्यादा धैर्य भी इसी दौरान चाहिए होता है।

स्थिरता संग ग्रोथ (31–40 साल)

30 साल तक हम जिस भी कैरियर में सैटल होना चाहते हैं, आमतौर पर हो चुके होते हैं। 31वें साल से लेकर 40वें साल तक हम अपने कैरियर को स्थिरता प्रदान करते हुए उच्च विकास की ओर आगे बढ़ते हैं। इस दौरान कई बार हमें पीएचडी करनी होती है। जॉब में लीडरशिप पाने के लिए मैनेजमेंट कोर्स या इंटरनेशनल सर्टिफिकेशन की पढ़ाई करनी होती है। इस उम्र में हम अपने कैरियर को मजबूती देकर विशेषज्ञता की ओर बढ़ते हैं और नेतृत्व हासिल करते हैं। आर्थिक स्थिरता और परिवार की जिम्मेदारी भी इस समय हम पर होती है और हम उसे अच्छी तरह से पूरा करने की कोशिश करते हैं। इस समय तक हमारे क्षेत्र विशेष में हमारी प्रोफेशनल पहचान बनने लगती है ।

लखनऊ में तीन दिवसीय रोजगार महाकुंभ संपन्न, 16,897 युवाओं को रोजगार के अवसर

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित तीन दिवसीय रोजगार महाकुंभ आज सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। यह आयोजन श्रम एवं सेवायोजन विभाग, बी0सी0एस0 कन्सल्टिंग लिमिटेड और द इकोनोमिक्स टाइम्स की सहभागिता से आयोजित किया गया।इस अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि सलाहकार, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, अवनीश अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा है कि हर युवा रोजगार से जुड़कर अपना जीवन स्तर ऊँचा उठाए। इसके लिए सरकार देश और विदेश में रोजगार के अवसर तलाश कर युवाओं को उनसे जोड़ रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और प्रति व्यक्ति आय बढ़ाना तभी संभव है, जब प्रदेश में अधिक से अधिक फैक्ट्रियां स्थापित हों, अत्याधुनिक तकनीक में सहभागिता बढ़े और हर युवा के हाथों रोजगार हो।सलाहकार मुख्यमंत्री केवी राजू ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सभी जनपदों में आयोजित होने चाहिए, ताकि स्थानीय युवाओं को अधिक से अधिक लाभ मिल सके और सरकार का विजन "हर युवा को रोजगार" साकार हो।मुख्य सचिव श्रम एवं सेवायोजन एमकेएस सुंदरम ने बताया कि इस महाकुंभ का लक्ष्य दस हजार युवाओं को देश और विदेश में रोजगार उपलब्ध कराना था, लेकिन कुल 16,897 युवाओं को विभिन्न संस्थानों और कंपनियों के माध्यम से चयनित किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन अब प्रदेश के अन्य जनपदों में भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें। महिलाओं को भी शिक्षा के अनुसार प्राथमिकता देते हुए रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।इस अवसर पर निदेशक सेवायोजन नेहा प्रकाश ने कहा कि रोजगार महाकुंभ जैसे कार्यक्रम युवाओं को ऐसा मंच प्रदान करते हैं, जहां रोजगार देने और पाने वाले एक साथ आकर अधिक से अधिक युवाओं के हाथों में रोजगार सुनिश्चित कर सकें।इस कार्यक्रम में अपर निदेशक सेवायोजन प्रमोद पुंडीर, निदेशक बी0सी0एस0 अभिषेक भारती, इकोनोमिक्स टाइम्स से अर्पित गुप्ता सहित अन्य अधिकारी और कंपनियोंध संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।रोजगार महाकुंभ के सफल आयोजन से प्रदेश के युवाओं को न केवल अवसर प्राप्त हुए हैं,।

विधायक ने पुस्तकालय के लिए दिए 2.50 लाख रुपये

लखनऊ, (संवाददाता)। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बृहस्पतिवार को सेंट्रल बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ भेंट की। एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिलेश जायसवाल के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने अधिवक्ताओं की समस्याओं पर चर्चा करते हुए पुस्तकालय की जरूरत जताई। इस पर विधायक ने बार एसोसिएशन में लाइब्रेरी बनाने के लिए 2.50 लाख रुपये की सहयोग राशि भेंट की। विधायक ने जल्द ही एसी व कंप्यूटर भी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही सीएम से मुलाकात कर कचहरी परिसर के पास वाहन पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित कराने और प्रदेश के सभी अधिवक्ताओं को चिकित्सा लाभ उपलब्ध कराने की मांग रखने का भी भरोसा दिया।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास योजना 350 नई परियोजनाओं के लिए 35985 लाख रूपये स्वीकृत

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 350 नई परियोजनाओं को कुल 35985 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य प्राचीन धार्मिक स्थलों का पर्यटन विकास करना और राज्य के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देना है।प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अयोध्या मण्डल के अंतर्गत आने वाले जनपद अम्बेडकरनगर और अमेठी के लिए कुल 05 करोड़ रूपये की 06 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। अम्बेडकरनगर के आलापुर विधानसभा क्षेत्र में संत बाबा गोविन्द साहब की तपोभूमि मठ अहिरौली का पर्यटन विकास 75 लाख रूपये की धनराशि से किया जाएगा। कटेहरी विधानसभा क्षेत्र के भीटी में काली मंदिर, दिलावलपुर के पर्यटन विकास के लिए भी 75 लाख रूपये स्वीकृत किए गए हैं।अमेठी जिले के लिए भी विभिन्न मंदिरों के पर्यटन विकास की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। विधानसभा जगदीशपुर के मुसाफिरखाना स्थित महावीर मंदिर के विकास के लिए 75 लाख रूपये, तिलोई विधानसभा क्षेत्र में बाबा लख्खा दास कुटी, सैदापुर, विकासखण्ड तिलोई के लिए 01 करोड़ रूपये, गौरीगंज विधानसभा क्षेत्र में मुसाफिरखाना स्थित बाबा महावीर दास मंदिर के विकास के लिए 01 करोड़ रूपये तथा विलेश्वर महादेव मंदिर के विकास के लिए 75 लाख रूपये की धनराशि मंजूर की गई है।पर्यटन मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास योजना हेतु कुल बजट में 40 हजार लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। इसमें नई परियोजनाओं के लिए 35985 लाख रूपये और वित्तीय वर्ष 2024–25 की क्रियान्वित परियोजनाओं के लिए 28 हजार लाख रूपये रखे गए हैं। जयवीर सिंह ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक मण्डल के जनपदों में स्थित प्राचीन मंदिरों का कायाकल्प कर उनके आसपास बुनियादी सुविधाएं सृजित करने का प्रयास कर रही है। प्राचीन धरोहरों को संरक्षित कर पर्यटन को बढ़ावा देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

शुभांशु शुक्ला की बंगलूरु वापसी संभव, शर्मा की चाय का लिया लुत्फ

लखनऊ, (संवाददाता)। अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला पत्नी कामना व बेटे कियांश के साथ नैमिषारण्य के अतिविशिष्ट गेस्ट हाउस में ठहरे हैं। सूत्रों के अनुसार वे शुक्रवार को बंगलूरु रवाना हो सकते हैं। सिटी मांटेसरी स्कूल के पदाधिकारियों ने बृहस्पतिवार को शुभांशु के साथ बैठक की। सूत्रों का कहना है कि इसमें खास एमओयू को लेकर चर्चा हुई है। इसमें तय हुआ था कि एकेटीयू की ओर से सीएमएस के विद्यार्थियों और शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर के तौर पर प्रशिक्षित किया जाएगा। ये प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर आगे ग्रामीण, वंचित सरकारी स्कूलों और आसपास के विद्यालयों के छात्रों तक वैज्ञानिक नवाचार, उद्यमिता, एआई और रोबोटिक्स जैसे व्यावहारिक कौशलों को पहुंचाएंगे। शुभांशु ने राजधानी के मशहूर शर्मा चाय स्टॉल से चाय मंगवाई। वैसे उन्हें ब्लैक कॉफी पसंद है, लेकिन गीता गांधी के साथ हुई बैठक के लिए शुभांशु ने शर्मा से चाय ऑर्डर करके मंगवाई।

उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ कौशल विकास कॉन्फ्रेंस में पेश किया युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का मॉडल

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने गुरुवार को चंडीगढ़ में आयोजित केंद्रीय क्षेत्रीय कौशल विकास कॉन्फ्रेंस में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से प्रतिनिधित्व किया। इस अवसर पर उन्होंने योगी सरकार द्वारा कौशल विकास के क्षेत्र में किए गए नवाचार, उपलब्धियां और भविष्य की योजनाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।मंत्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में "कौशल भारतरू कुशल भारत" अभियान नई ऊँचाइयों को छू रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने युवाओं को रोजगार योग्य और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश का प्रत्येक युवा न केवल कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करे बल्कि अपनी क्षमताओं के बल पर आत्मनिर्भर बनकर "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" की परिकल्पना को साकार करे।राज्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0, राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रमोशन योजना, आईटीआई उन्नयन योजना सहित कई अन्य कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर लागू कर लाखों युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराया है।इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य केंद्र और राज्योंध्केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सहयोगात्मक एवं अभिसरण आधारित दृष्टिकोण को मजबूत करना था। कार्यक्रम में स्किल इंडिया कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन, उद्योग जगत से गहरे जुड़ाव, शिक्षा और व्यवसाय के एकीकरण, नवोन्मेषी वित्तीय मॉडल, डिजिटल तकनीक के उपयोग और जिला कौशल समितियों एवं जिला कौशल विकास योजनाओं की निरंतरता पर विस्तृत चर्चा हुई।कपिल देव अग्रवाल ने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश ने इन पहलों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया है ।

खरीफ सीजन में किसानों को पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार किसानों को इस वर्ष भी गतवर्ष की तरह खरीफ फसलों की बुवाई और रोपाई के बाद फसल संस्तुति के अनुसार पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस उद्देश्य के लिए प्रदेश सरकार ने भारत सरकार के साथ निरंतर संपर्क स्थापित रखा है, जिससे उर्वरक आपूर्ति की प्रक्रिया सुचारू और समयबद्ध बनी रहे।कृषि मंत्री ने बताया कि 1 अगस्त से 26 अगस्त 2025 तक भारत सरकार द्वारा प्रदेश के लिए कुल 301 यूरिया रैक भेजे गए, जिनमें से 267 रैक जनपदों तक पहुँच चुके हैं और 34 रैक मार्ग में हैं, जो अगले 2–3 दिनों में अपने गंतव्य तक पहुँच जाएँगे। वर्तमान में किसानों की दैनिक आवश्यकता के अनुसार प्रतिदिन 10 से 12 रैक भेजी जा रही हैं। 27 और 28 अगस्त को ही 18 रैक यूरिया प्रदेश के विभिन्न जनपदोंकृ बस्ती, अलीगढ़, मऊ, अयोध्या, झांसी, जालौन, सुलतानपुर, शाहजहाँपुर, कानपुर, बाराबंकी, बरेली, मुरादाबाद, हरदोई, गोरखपुर, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और बदायूँ में भेजी गई।कृषि मंत्री ने किसानों से अपील की कि प्रदेश में उपलब्ध उर्वरक बोरियों पर लिखे "भारत यूरिया" या "भारत डीएपी" जैसे नामों से भ्रमित न हों। सभी उर्वरक समान गुणवत्ता वाले हैं और किसानों को किसी एक ब्रांड को प्राथमिकता देने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों को उर्वरक का उपयोग फसलों की रोपाई और टॉप–ड्रेसिंग के अनुसार करना चाहिए और अनावश्यक भण्डारण से बचना चाहिए, ताकि सभी किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हो सके।प्रदेश के सहकारिता और निजी क्षेत्र में 27 अगस्त तक उर्वरकों की मण्डलवार उपलब्धता 5,64,865 मी.टन यूरिया, 4,07,792 मी.टन डीएपी और 3,03,446 मी.टन एनपीके दर्ज की गई है।सूर्य प्रताप शाही ने स्पष्ट किया कि उर्वरकों की जमाखोरी, कालाबाजारी, ओवररेटिंग और टैगिंग पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। वर्ष 2025–26 में अब तक 12,653 छापे, 3,385 नमूना ग्रहण, 1,047 नमूना विश्लेषण और 35 अमानक नमूने चिन्हित किए गए हैं। इसके साथ ही 571 लाइसेंस निलंबित, 1,196 लाइसेंस निरस्त, 122 चेतावनी जारी, 15 दुकानों की बिक्री प्रतिबंधित, 12 दुकानें सील और 111 एफआईआर दर्ज की गईं, जिनमें से 11 आरोपियों को जेल भेजा गया।कृषि मंत्री ने भरोसा दिलाया कि किसानों को केवल निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक मिलेंगे और टैगिंग या ओवररेटिंग करने वाले होलसेलर और कंपनियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

सरोजनीनगर में अवैध निर्माण कराया ध्वस्त

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनीनगर तहसील के कई गांवों का बृहस्पतिवार को मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने निरीक्षण किया। इस दौरान अवैध निर्माण ध्वस्त कराया। जल्द पूरी जमीन कब्जामुक्त कराने के निर्देश दिए गए। प्रॉपर्टी डीलर को एक मौका दिया गया है। मंडलायुक्त ने कहा कि दोबारा कब्जा होता है तो प्रॉपर्टी डीलर पर केस दर्ज कराया जाए। सरोजनीनगर के हरिहरपुर गांव में हुई जांच में सामने आया कि सरकारी गाटा संख्या 851, 867, 869, 508, 507 पर कब्जा है। प्रॉपर्टी डीलर ने बाउंड्रीवॉल बनाकर प्लॉटिंग शुरू कर दी है। इसके बाद इसे गिराया गया। निगोहां के नंदौली गांव में हिस्ट्रीशीटर ने पंचायत भवन के गेट के पास गुमटी रखकर ग्राम समाज की जमीन कब्जा रखी है। एक बार कार्रवाई की गई, लेकिन दोबारा कब्जा हो गया। अफसरों की अब कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं हो रही है। इसके पीछे की वजह यह है कि हिस्ट्रीशीटर को सत्ताधारी नेताओं का संरक्षण है। आरोप है कि तहसील के अफसरों की मिलीभगत से कब्जा हुआ है।

मंडलीय उद्योग बंधु की बैठक नई, मुद्दे पुराने छाए रहे

लखनऊ, (संवाददाता)। मंडलायुक्त कार्यालय में बुधवार को हुई मंडलीय उद्योग बंधु की बैठक में पुराने मुद्दे व समस्याएं ही छाई रहीं। खासतौर पर औद्योगिक क्षेत्रों में जलभराव और बदहाल सड़कों की परेशानियों को उठाया गया। मंडलायुक्त ने संबंधित अफसरों को समस्याओं के निस्तारण का निर्देश दिया। जल निगम की संस्था सीएंडडीएस की ओर से बताया गया कि अमौसी, सरोजनीनगर और बंथरा में जलभराव की समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। जल निकासी का काम करवाने के लिए टेंडर की कार्यवाही जारी है। इसके बाद सर्वे होगा। समस्या दूर करने में चार महीने का वक्त लगेगा। अटल इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना के तहत इन क्षेत्रों में बाउंड्रीवॉल बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। मार्च 2026 तक काम पूरा कर लिया जाएगा। औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क चौड़ीकरण के काम के संबंध में यूपीसीडा की समिति ने बताया कि बिजली के खंभे की शिफ्टिंग के लिए भुगतान किया जा चुका है। बैठक में अधिशासी अभियंता के न होने पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताई।

आशा कार्यकर्ता ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़

लखनऊ, (संवाददाता)। आशा कार्यकर्ता ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। कोरोना महामारी में उनका योगदान अमूल्य रहा। सरकार ने गर्भवती महिलाओं के लिए चिह्नित निजी केंद्रों पर मुफ्त अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध कराई है। शिशु मृत्यु दर रोकने के लिए सरकार हर स्तर पर प्रयास कर रही है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बृहस्पतिवार को पीजीआई में हुई कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम में ये बातें कहीं। पीजीआई की प्रो. मंदाकिनी प्रधान और सोसाइटी की पदाधिकारी डॉ. असना अशरफ, डॉ. नैनी टंडन व डॉ. तमरीन खान ने गर्भवती महिलाओं में शिशु की गति, वजन और ब्लड प्रेशर की नियमित निगरानी की बात कही।

उत्तर प्रदेश सरकार ने अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के सुचा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के सुचारू और व्यवस्थित संचालन के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शासनादेश के अनुसार, जिन विद्यालयों की प्रबन्ध समिति, साधारण सभा या ट्रस्ट का कोई सदस्य जीवित नहीं है या जो विगत पाँच वर्षों से अधिक समय से कालातीत हैं तथा जहाँ शिक्षक–कर्मचारियों के वेतन भुगतान हेतु एकल संचालन की व्यवस्था प्रभावी है, उनके संचालन की जिम्मेदारी अब एक नई व्यवस्थागत ढांचे के तहत होगी।माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव ने बताया कि 27 अगस्त, 2025 के शासनादेश के तहत ऐसे विद्यालयों का संचालन अब संबंधित जनपद के जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया जाएगा। यह समिति किसी विभागीय अधिकारी (श्रेणी–2 स्तर से अन्यून) को प्रबन्धक के रूप में नामित करेगी, जो सीधे समिति के प्रति उत्तरदायी होगा।

प्रबन्धक का कार्यकाल अधिकतम पाँच वर्षों के लिए निर्धारित किया गया है। वर्तमान में प्रदेश के 228 अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रबन्ध समिति कालातीत होने के कारण एकल संचालन की व्यवस्था लागू है। इनमें से 124 विद्यालयों में यह व्यवस्था पाँच वर्षों से अधिक समय से चल रही है।नवीन शासनादेश के बाद इन विद्यालयों में प्रबन्धकीय कार्यों के साथ–साथ परिसम्पत्तियों की देखरेख, शिक्षकों–कर्मचारियों के सेवा संबंधी समस्त प्रकरण जैसे अवकाश, जी0पी0एफ0, पेंशन, चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति, अधियाचन, पदोन्नति, चयनध्प्रोन्नत वेतनमान, वरिष्ठता सूची निर्धारण, महिला कर्मचारियों के विशेष अवकाश और अनुशासनिक कार्यवाही आदि अब जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा नामित प्रबन्धक के माध्यम से क्रियान्वित किए जाएंगे।इस कदम से अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों का संचालन पारदर्शी, उत्तरदायी और नियमित होगा, जिससे शिक्षक–कर्मचारी और छात्र दोनों के हित सुनिश्चित होंगे।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2026 : प्रक्रिया प्रारम्भ, परिसीमन कार्य प्रगति पर

लखनऊ, (संवाददाता)। निदेशक पंचायतीराज अमित कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2026 की प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है। वर्ष 2021 में सम्पन्न पंचायतीराज निर्वाचन के उपरान्त संघठित ग्राम पंचायतों के कार्यकाल की समाप्ति से संबंधित प्रस्ताव शासन को भेजे जा चुके हैं। ग्राम पंचायत प्रधान का कार्यकाल 26 मई 2026, क्षेत्र पंचायत प्रमुख का कार्यकाल 19 जुलाई 2026 और जिला पंचायत अध्यक्ष का कार्यकाल 11 जुलाई 2026 को समाप्त हो रहा है।उन्होंने बताया कि शासन स्तर से निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने तक नगरीय निकायों के सृजन या सीमा विस्तार पर रोक लगाने के लिए नगर विकास विभाग को निर्देश दिए गए हैं। वर्ष 2021 में पंचायत निर्वाचन के बाद नगरीय निकायों के सृजनध्सीमा विस्तार के कारण प्रभावित ग्राम पंचायतों एवं राजस्व ग्रामों का आंशिक पुनर्गठन किया गया। इस प्रक्रिया में 37 जनपदों का पुनर्गठन पूरा कर विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया गया है।पूर्व में प्रदेश में 58,195 ग्राम पंचायतें विद्यमान थीं, जिनमें से 512 ग्राम पंचायतें नगर निकायों के सीमा विस्तार के कारण समाप्त हुईं, 9 ग्राम पंचायतें नवसृजित हुईं और 2 वन टंगिया ग्रामों को ग्राम पंचायतों के रूप में अधिसूचित किया गया। वर्तमान में प्रदेश में कुल 57,694 ग्राम पंचायतें अस्तित्व में हैं।वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार आंशिक पुनर्गठन के प्रभाव से प्रभावित ग्राम पंचायतों एवं विकासखण्डों की श्रेणीवार जनसंख्या संबंधी विवरण जिलाधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराया गया है। त्रिस्तरीय पंचायतों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) का परिसीमन करने हेतु शासनादेश 15 और 16 जुलाई 2025 को जारी किए गए। इसके अनुरूप आंशिक प्रभावित वार्डों का परिसीमन कार्य 3 से 5 अगस्त 2025 तक पूरा कर आपत्तियां प्राप्त की गईं और उनका निस्तारण कर प्रभावित वार्डों के गठन की प्रक्रिया जारी है।नगरीय निकायों के सृजनध्सीमा विस्तार के कारण आंशिक रूप से प्रभावित 39 जनपदों में परिसीमन कार्य निर्धारित समय–सारणी के अनुसार पूरा कर संबंधित जानकारी पंचायती राज निदेशालय को 12 अगस्त 2025 तक उपलब्ध कराने के निर्देश जिलाधिकारियों को दिए गए थे।

जम्मू नहीं तो सहारनपुर या अंबाला ही सही, दूसरे दिन भी निरस्त रहीं जम्मू की ट्रेनें

लखनऊ, (संवाददाता)। जम्मू में बारिश से बिगड़े हालात के बाद लगातार दूसरे दिन जम्मू के लिए यात्रियों को कोई सीधी ट्रेन सेवा नहीं मिली। जम्मू से भी बृहस्पतिवार कोई सीधी ट्रेन यहां नहीं पहुंची, लेकिन सहारनपुर और अंबाला से कुछ ट्रेनें लखनऊ आईं। लखनऊ के रास्ते जम्मू जाने वाली अमरनाथ एक्सप्रेस, बेगमपुरा, कोलकाता–जम्मूतवी एक्सप्रेस, गाजीपुर सिटी–श्री माता वैष्णोदेवी कटड़ा एक्सप्रेस ट्रेन निरस्त रहीं। जम्मू से आने वाली गाजीपुर सिटी–श्री माता वैष्णोदेवी कटड़ा एक्सप्रेस ट्रेन भी निरस्त रही। ऐसे में जम्मू जाने वाले यात्रियों ने सहारनपुर व अंबाला तक जाने वाली ट्रेनों से यात्री की। इसके आगे की यात्रा के लिए वहां दूसरी व्यवस्था देखने की बात की। गोरखपुर निवासी शत्रुघ्न तिवारी ने बताया कि एक दिन पहले वह जम्मू का टिकट लेकर ट्रेन से वैष्णोदेवी दर्शन के लिए गए थे। उनकी ट्रेन अंबाला तक ही गई। आगे के लिए निरस्त की गई गई। अंबाला में कटड़ा के हालात सुनने के बाद उनकी आगे जाने की हिम्मत नहीं हुई। वहीं से लौट आए। जम्मू से लौटने वाले अन्य यात्रियों ने भी कुछ ऐसे ही हालात बया किए। बुधवार को जम्मू तक ट्रेन न जाने के बावजूद यात्रियों को जम्मू तक का साधारण टिकट जारी करने की खबर अमर उजाला छपने पर व्यवस्था में बदलाव हुआ। अधिकारियों के निर्देश पर बृहस्पतिवार को जम्मू का कोई भी टिकट जारी नहीं किया गया। टिकट खिड़की पर तैनात कर्मचारियों ने लोगों को जम्मू तक किसी भी ट्रेन के न जाने की जानकारी भी दी। सूचना पट्ट पर भी इसे लिखा गया। यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफॉर्म नंबर–1 पर हेल्पडेस्क की भी स्थापना की गई है, जहां यात्रियों को ट्रेनों के निरस्तीकरण और विकल्प के बारे में जानकारी दी जाती रही। सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि जम्मू में बारिश व बाढ़ से बिगड़े हालात के कारण वहां फंसे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा रेल सेवा को बहाल करने के लिए बृहस्पतिवार को दो विशेष ट्रेनें जम्मू से बनारस और दिल्ली के लिए चलाई गई हैं। बनारस और लखनऊ में यात्रियों की सुविधा के लिए हेल्पडेस्क भी शुरू की गई है।

केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023 में तेजी लाने के निर्देश दिए

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023 के तहत स्थापित इकाइयों के थर्ड पार्टी निरीक्षण में तेजी लाने और परियोजना प्रस्तावों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। उप मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देशित किया कि स्थापित इकाइयों के सब्सिडी प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जाए और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (च्डथ्डम्) योजना के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाए।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्योगों के माध्यम से प्रदेश में अधिक से अधिक पूंजी निवेश आकर्षित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए, ताकि अन्य जिलों में भी अच्छे परिणाम सामने आएं।इसी कड़ी में, अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण और रेशम विभाग द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023 और पीएमएफएमई योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पांच मुख्य विकास अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इन अधिकारियों में आगरा की प्रतिभा सिंह, अमेठी के सूरज पटेल, वाराणसी के हिमांशु नागपाल, रामपुर के नंदकिशोर कलाल और मेरठ की नूपुर गोयल शामिल हैं।अपर मुख्य सचिव ने बताया कि इन अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में पीएमएफएमई और उद्योग नीति–2023 के तहत समय–समय पर किसानों एवं उद्यमियों के प्रस्तावों का गहन परीक्षण और मार्गदर्शन किया। उनके उत्कृष्ट प्रयासों से प्रदेश में पीएमएफएमई योजना में स्वीकृति दर राष्ट्रीय स्तर के 70 प्रतिशत की तुलना में 98 प्रतिशत रही। इसके अलावा, बैंक और उद्यमियों के बीच समन्वय स्थापित कर कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित की गई। उत्तर प्रदेश सरकार की खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023 के माध्यम से फल और सब्जी प्रसंस्करण, दुग्ध प्रसंस्करण, रेडी टू ईटध्रेडी टू कुक खाद्य पदार्थ, अनाज और दाल प्रसंस्करण,।

बप्पा को पहनाया 51 किलो का गजरा

लखनऊ, (संवाददाता)। गणेशोत्सव के दूसरे दिन मनौतियों के राजा को 51 किलो का गजरा पहनाया गया। झूलेलाल वाटिका में श्री गणेश प्राकट्य कमेटी की ओर से किए जा रहे इस महोत्सव में रामनगरी के आचार्यों ने मंगलमूर्ति की पूजा की। शाम को हुई सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों ने भजनों से बप्पा का सुमिरन किया। कोलकाता के भजन गायक संजय शर्मा के गीत से शाम सात बजे सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ हुआ। गिरिजा के लाल रखियो मेरी लाज रे...पग पग पर जिसने मुझे संभाला कोई और नहीं मनौतियों के राजा जैसे गीत पेश किए। इसके बाद नृत्य नाटिका का मंचन हुआ। कमेटी के संरक्षक भारत भूषण गुप्ता ने बताया कि समिति की ओर से बप्पा को तरह–तरह के फूलों से बना 51 किलो का गजरा पहनाया गया। घनश्यामदास अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, शरद अग्रवाल, योगेश बंसल, अखिलेश बंसल आदि लोग मौजूद रहे।

खेल कूद एवं शारीरिक व्यायाम से शरीर चुस्त एवं दिमाग तेज होता है – रजनी तिवारी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस (29 अगस्त) के उपलक्ष्य में मनाये जाने वाले राष्ट्रीय खेल दिवस पर स्थानीय स्पोर्ट स्टेडियम में 29 से 31 अगस्त 2025 तक होने वाले जनपद स्तरीय वृहद खेल एवं फिटनेस क्रियाकलाप कार्यक्रम का शुभारम्भ मा0 सासंद हरदोई जय प्रकाश रावत एवं मा0 सासंद मिश्रिख अशोक रावत एवं मा0 राज्य उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यापर्ण कर किया तथा खेल कूद प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त किया।

कार्यक्रम में उपस्थित खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए मा0 मंत्री जी ने कहा कि खेल कूद एवं शारीरिक व्यायाम से शरीर चुस्त एवं दिमाग तेज होता है इसके अलावा खेल में हार के बाद प्रतिभागी को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होने कहा कि खेल प्रतिभागी अपने खेल में अच्छे से अच्छा प्रदर्शन करें ताकि उन्हें राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिले। इस अवसर पर मा0 सासंद जय प्रकाश रावत ने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी हाकी खेल के जादूगर थे और उन्होने हाकी के खेल में देश का मान बढ़ाया। मा0 सांसद अशोक रावत ने कहा कि खेल भावना और कड़ी मेहनत से किसी भी खेल में सर्वोच्च स्थान हासिल किया जा सकता है, इसलिए प्रतिभागी अपनी प्रतिभा पर ध्यान दें। मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा ने कहा कि जनपद के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभाओं को उजागर करें और आगे की मंजिल के लिए परिश्रम करें।

अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु- संपूर्णानंद

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।महात्मा भरत जी के तपोस्थली नंदीग्राम भरतकुंड के भरत हनुमान मिलन मंदिर पर में चल रही है सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के छठवे दिन कथा व्यास संपूर्णानंद जी महाराज ने कहा कि अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।कथा व्यास ने कहा कि सात वर्ष के बालक ने इंद्र की पूजा न करके गिरिराज भगवान की पूजा करा दिया तो इंद्र को क्रोध आ गया और अपने अंहकार में सात दिनों तक लगातार बारिश करा दिया लेकिन षविप्र धेनु सुर संत हित लीन मनुज अवतारष् प्रभु तो सभी की रक्षा करने के लिए ही अवतार लेते है तो उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने व्रज वासियों की रक्षा करने के लिए सात दिनों तक अपने कनिष्ठा अंगुली पर गिरिराज को धारण करके उठाए रखा तब भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र का अंहकार दूर किया। कथा व्यास ने आगे बताते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने कंस वध करके 64 दिन में विद्या ग्रहण किया और द्वारिकाधीश बने। कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि विवाह प्रसंग को विस्तार से सुनाया। कथा के व्यवस्थापक महंत परमात्मा दास मुख्य यजमान चौनराज चोपड़ा, धर्मराज वर्मा, जगतपाल गुप्ता विपुल वर्मा सोमनाथ बाबा अमित सिंह विमल दूबे सहित भारी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

कोतवाली नगर पुलिस ने किया दो आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या।कोतवाली नगर पुलिस ने चेन स्नेचिंग करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके पास से छीनी गयी चेन,चोरी की बाइक,तमंचा व कारतूस बरामद किया। संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे ने बताया कि 21 अगस्त को दोपहर करीब 03.00 बजे फतेहगंज जीआईसी ओवरब्रिज के ऊपर मोटरसाईकिल से अपने पति के साथ जा रही महिला से पल्सर सवार दो युवको द्वारा सोने की चेन छीन ली गयी थी।इस संबंध में वादिनी ने कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज कराया था।सीसीटीवी की मदद से पटना का खुलासा किया। बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सागर पुत्र परशुराम, लकी पुत्र पप्पू पुत्र पन्नालाल निवासी तेली टोला थाना कोतवाली नगर जनपद अयोध्या के रूप में हुई। बताया कि पुलिस ने इन दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। इन आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम मे विकास गुप्ता चौकी प्रभारी फतेहगंज थाना कोतवाली नगर अयोध्या,अमित कुमार चौकी प्रभारी सिविल लाइन थाना कोतवाली नगर अयोध्या,राणा दिग्विजय सिंह चौकी प्रभारी अलीगढ़ थाना कोतवाली नगर अयोध्या, राहुल वाजपेयी चौकी प्रभारी जेल थाना कोतवाली नगर अयोध्या, चन्द्रशेखर यादव थाना कोतवाली नगर अयोध्या म0उ0नि0 नयना थाना कोतवाली नगर शामिल रहे।

'पशुओं में खुरपका- मुंह पका रोग के लक्षण एवं उपचार'

सुल्तानपुर । मुंहपका–खुरपका रोग फटे खुर या दो खुर वाले पशुओं में जैसे गाय, भैंस, बकरी, हिरन, भेड़, सूअर तथा अन्य जंगली पशुओ में होने वाला एक अत्यंत संक्रामक एवं विषाणु जनित रोग है। थ्डक रोग गायों और भेसों को अधिक प्रभावित करता है. यह रोग एक अत्यंत संक्रामक वायरस (।चीजीव अपतने) है, जो संक्रमित जानवरों के लार, मूत्र और मल के माध्यम से फैलताक है, इसके अलावा, संक्रमित पशुओं के दूध। और मांस के माध्यम से भी यह रोग फैल सकता है। यह वायरस संक्रमित जानवरों के खासने या छीकने से हवा में भी फैल सकता है। इस रोग से ग्रसित पशुओं के मुंह, जीभ, होंठ, मसूड़ों और खुरों पर छोटे छोटे छाले हो जाते हैं जो बाद में मिलकर बड़े हो जाते हैं और घाव बनाते हैं। इस रोग से पशुओं को तेज बुखार दर्द, और खाने–पीने में परेशानी होती है, छोटे जानवरों के मामलों में यह रोग जानलेवा भी हो सकता है। मुंहपका–खुरपका रोग का कोई इलाज नहीं है, लेकिन इस रोग के लक्षणों को कम किया जा सकता है। आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र बरासिन के पशु वैज्ञानिक डॉक्टर गौरव पांडेय ने एक बातचीत में बताया कि इस रोग की चपेट में आने से पहले ही पशुओं को इस रोग के टिके लगवा लेना आवश्यक है। बड़े दुधारू पशुओं में इस रोग के लक्षणों को काम करने के लिए दर्द निवारक दवाएं, एंटीबायोटिक्स, और तरल पदार्थ दिए जाते हैं।

मुंहपका–खुरपका (FMD) रोग के मुख्य लक्षण

मुंह और खुरों में छाले

खुरों में घाव एवं कीड़े (Maggots) पड़ना

बुखार (39–40 डिग्री सेल्सियस)

दर्द

जीभ, मसूड़ों, होटों पर छाले

खाने–पीने में परेशानी

मुँह से लगातार लार निकलना

लंगड़ाना

दुग्ध उत्पादन में बहुत कमी

थकान या कार्य क्षमता में कमी

मुंहपका –खुरपका रोग को कम करने के लिए उपचार

मुंह पका –खुरपका रोग का कोई इलाज नहीं है लेकिन इस रोग से बचाव के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं।

पशुओं को स्वच्छ और स्वस्थ रखें।

पशुओं को संक्रमित पशुओं के संपर्क में आने से बचाएं।

घावों की देखभाल।

कीड़ों और मक्खियों को घाव से दूर रखें।

पशुओं को आसानी से पचने वाले (लिक्विड डाइयट) आहार दें.

पशु चिकित्सा अधिकारी को सूचित करें।

पशु चिकित्सक कर निर्देशों के अनुसार उपयुक्त दवा दें।

मुंह पका– खुरपका (एफ एमडी) रोग का इलाज नहीं है, लेकिन इसका टीकाकरण किया जा सकता है. टीकाकरण से इस बीमारी से बचाव किया जा सकता है। ब्लॉक स्तरीय पशु चिकित्सा किया कृषि विज्ञान केंद्र बरासिन के पशु चिकित्सक से इलाज एवं सलाह लिया जा सकता है यह सभी ऑफिस टाइम उपलब्ध रहते हैं।

संक्षिप्त खबरें

जिलाधिकारी ने वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर 29 अगस्त जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन यंत्र, सुरक्षा व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी। उन्होंने निर्देशित किया कि सीसीटीवी कैमरे हमेशा सक्रिय रहने चाहिए। इस दौरान उन्होंने सुरक्षाकर्मियों को निर्देश दिया कि वेयर हाउस की निगरानी मुस्तैदी से की जाए। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयवर चौहान, सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

जिला सेवायोजन कार्यालय कैम्पस में 30 अगस्त को प्रातः 10 बजे से रोजगार मेला का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि निदेशक, सेवायोजन उ0प्र0 लखनऊ एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय कैम्पस जौनपुर में 30 अगस्त 2025 को प्रातः 10 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की ब्राइट फ्यूचर आग्रेनिक हर्बल आयुर्वेदिक, महादेव हनुमान विजय प्लेसमेंट सर्विस एवं बुशा मैनेजमेंट माकेटिंग लि० इत्यादि कम्पनियों द्वारा ब्लाक ऑफिसर, सुपरवाईजर, बैंक आफिसर हेतु योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाना है, जिसकी शैक्षिक योग्यताः– हाईस्कूल, इण्टर, आई०टी०आई० एवं स्नातक उत्तीर्ण आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थियों को कैम्पस सलेक्शन करेंगी। जिसमें अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए, पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें। जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई०डी० प्रूफ बायोडाटा सहित प्रतिभाग करेंगे एवं सेवायोजन वेब पोर्टल https://rojgaarsangam-up-gov-in के माध्यम से पंजीकरण कर अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

6 व 7 सितंबर को 30 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी यूपी पेट की परीक्षा

अयोध्या।जिले के 30 केंद्रों पर यूपी पेट परीक्षा 6 व 7 सितंबर को कड़े सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न होगी।इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में तैनात प्रतियोगी परीक्षा प्रभारी मोतीलाल मौर्या ने बताया कि परीक्षा को सकुशल संपन्न करने के लिए 30 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।यह परीक्षा 6 तथा 7 सितंबर को दो पालियों में संपन्न होगी।प्रत्येक पाली में 12,576 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।इस तरह चारों पालियों मे कुल 50,304 अभ्यर्थी परीक्षा मे शामिल होगे।बताया कि प्रथम पाली मे परीक्षा प्रातः 10रू00 बजे से दोपहर 12रू00 तक तथा दूसरी पाली मे परीक्षा 3रू00 से शाम 5रू00 बजे तक आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्रों पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट के अलावा एक–एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

'फीनिक्स यूनाइटेड, लखनऊ में गणेश चतुर्थी पर उपहारों की बारिश'

'लखनऊ, 28 अगस्त 2025' रू फीनिक्स यूनाइटेड मॉल, आलमबाग ग्राहकों के लिए गणेश चतुर्थी पर ढेरों खुशियां लेकर आया। एंड ऑफ सीजन सेल में ग्राहकों ने उपहारों की बारिश का आनंद लिया। एंड ऑफ सीजन सेल के तहत ग्राहकों को कार से लेकर बाइक और ट्रिप जैसे ढेर सारे आकर्षक इनाम दिये गए। फीनिक्स यूनाइटेड द्वारा आयोजित एंड ऑफ सीजन सेल में ⁄5,999 या उससे अधिक की खरीदारी पर ग्राहकों को निश्चित उपहार दिये गए, साथ ही एक्साइटिंग रिवार्ड्स जीतने के लिए लकी ड्रा में हिस्सा लेने का मौका भी मिला। इतना ही नहीं 14,999 या उससे अधिक की शॉपिंग करने वाले ग्राहकों को शानदार इनाम दिये गए। इसमें टाटा नेक्सॉन कार, प्रीमियम बाइक के बम्पर

प्राइज जीतने का मौका मिला। इतना ही नहीं, 5 लकी विनर्स को अपने ड्रीम डेस्टिनेशन पर भारत में यात्रा का भी मौका मिला। इनाम पाकर शॉपर्स के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। 'फीनिक्स मिल्स के रिटेल डायरेक्टर आपरेशंस (नॉर्थ) श्री संजीव सरीन' ने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी हम कुछ नया और रोमांचक लेकर आए हैं। गणेश चतुर्थी से अच्छा अवसर भला शॉपर्स के लिए और क्या हो सकता है, जिब उन्हें अलग–अलग तरह की इनाम प्राप्त हुए। हम चाहते हैं कि लोगों का अनुभव सिर्फ शॉपिंग तक ही सीमित न रहे, बल्कि वो एक यादगार अनुभव बने।

घायल मिला बुजुर्ग, वन्यजीव के हमले की आशंका जताते हुए भड़के ग्रामीण

सीतापुर, (संवाददाता)। इलाके के चंद्रा गांव में गोशाला के पास बृहस्पतिवार शाम एक अज्ञात बुजुर्ग घायल हालत में मिले। ग्रामीणों ने जंगली जानवर के हमले की आशंका जताते हुए वनविभाग व पुलिस को सूचना दी। मौके पर वन कर्मी पहुंचे तो ग्रामीणों ने उन्हें बंधक बना लिया। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाकर शांत कराते हुए घायल बुजुर्ग को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। गोशाला देखने गए प्रधान हरिवंश त्रिवेदी के अनुसार उनको एक बुजुर्ग बेहोशी की हालत में गोशाला के पास मिले। उनकी गर्दन व हाथ में गंभीर घाव थे। प्रधान ने जंगली जानवर का हमला होने की आशंका जताते हुए कोतवाली पुलिस व वन विभाग को सूचना दी। इस बीच कई ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। जब वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो आक्रोशित ग्रामीणों ने टीम को बंधक बना लिया। इस बीच महोली पुलिस भी पहुंच गई ।

विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया

दिनांक 27 अगस्त 2025 को लखनऊ पब्लिक स्कूल साउथ सिटी ब्रांच एवं स्पष्ट सोच फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में विद्यालय के ऑडिटोरियम में ज्पउम वित ब्तम मिशन के तहत (मेन्स्ट्रल हाईजीन) विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सुजाता देव (प्रोफेसर, केजीएमयू डा. वंदना सोलंकी, सहायक प्रोफेसर केजीएमयू) अपनी टीम के साथ विशेष

रूप से इस आयोजन हेतु उपस्थित हुईं। उन्होंने छात्राओं को मेंस्ट्रूअल हाइजीन से जुड़ी स्वच्छता, सामाजिक भ्रांतियाँ एवं इससे संबंधित मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में छात्राओं को जागरूक करने के साथ–साथ उनके व्यक्तिगत प्रश्नों का समाधान भी विशेषज्ञों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान यूनिचार्म कम्पनी द्वारा निर्मित उच्च गुणवत्ता वाले '^Sofy^ ब्रांड के सेनिटरी पैड्स का CSR गिफ्ट हैम्पर के माध्यम से निःशुल्क वितरित किया गया। इस अवसर यूनिफॉर्म कंपनी की मिस प्रीति नेगी,सीएसआर हेड एवं मिस अंकिता सुखवाल,वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी जिन्होंने सहयोग प्रदान कर इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खेल दिवस पर मुख्यमंत्री जी द्वारा खिलाड़ियों एवं नागरिकों को फिट इण्डिया की शपथ तथा हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 29 अगस्त ।क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी जिला खेल कार्यालय, जौनपुर के तत्वावधान में 29 अगस्त, 2025 को स्व0 मेजर ध्यानचन्द जी विश्व विख्यात हॉकी खिलाड़ी के जन्म दिवस को ''खेल दिवस'' के रूप में मनाया गया। इस वर्ष खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं उ0प्र0 सरकार द्वारा प्राप्त निर्देश के क्रम में 29 अगस्त, 2025 को मेजर ध्यानचन्द को श्रद्धांजलि देने के साथ ही पूर्वान्ह 10.30 बजे हॉकी स्टेडियम विजयन्त खण्ड गोमती नगर, लखनऊ से मुख्यमंत्री' द्वारा प्रदेश स्तर पर खेल दिवस सम्बन्धी कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर जौनपुर में लगायी गयी एल0ई0डी0 वॉलध्टी0वी स्क्रीन द्वारा लाइव '''फिट इण्डिया''' की शपथ उपस्थित समस्त लोगों को दिलायी गयी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद राज्यसभा श्रीमती सीमा द्विवेदी उपस्थित रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य श्यामबाबू यादव एवं ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि' करंजाकला सुनील यादव उपस्थित रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा क्रीड़ा अधिकारी द्वारा मेजर ध्यानचन्द जी के चित्र पर माल्यार्पण कर अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि का स्वागत क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह द्वारा बुके एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर किया गया। मुख्य अतिथि को विशिष्ट अतिथि द्वारा भी बुके प्रदान कर सम्मानित किया गया। खेल विभाग के प्रशिक्षकों द्वारा अन्य जन प्रतिनिधियों को माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। खेल दिवस के इस अवसर पर अतिथियों द्वारा अपने सम्बोधन में मेजर ध्यानचन्द के गौरवमयी इतिहास की चर्चा करते हुए अपने खेल से देश के साथ ही विश्व पटल पर देश का नाम रौशन करने तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की गयी। वर्तमान सरकार की खेल कल्याणकारी नीतियों एवं वर्तमान में

स्टेडियम में कराये जा रहे निर्माण कार्यो के दृष्टिगत अधिकाधिक संख्या में खेलों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। 'पुरस्कार का समापन एवं पुरस्कार वितरण' जिला पंचायत सदस्य श्यामबाबू यादव के कर–कमलों द्वारा किया गया। हॉकी का फाइनल मैच इन्दिरा गांधी स्टेडियम की टीम एवं जयकरन पूर्व माध्यमिक विद्यालय सैदपुर गड़ऊर के मध्य खेला गया जिसमें स्टेडियम की टीम ने जयकरन पूर्व माध्यमिक की टीम को 3–1 से पराजित किया। मुख्य अतिथि द्वारा विजेता, उप विजेता टीमों के साथ ही निर्णायकों को भी पुरस्कृत किया गया। 30 अगस्त 2025 को जिला प्रशासन के सहयोग से जूनियर बालक खो–खो एवं जूनियर बालक एवं बालिका एथलेटिक्स की प्रतियोगिता (100, 200, 400, 800, 1500 मी0 रेस) का आयोजन 'प्रातः 8.00 बजे' से किया जायेगा। 30 अगस्त 2025 की प्रतियोगिता का 'उद्घाटन खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उ0प्र0 सरका गिरीश चन्द्र यादव के कर–कमलों द्वारा किया जायेगा। उक्त प्रतियोगिता के विजेता एवं उप विजेता खिलाड़ियों के साथ ही एथलेटिक्स के प्रत्येक इवेन्ट में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जायेगा। इसके अतिरिक्त भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना फिट इण्डिया मिशन के अन्तर्गत ''सन्डे ऑन साइकिल'' का आयोजन 31 अगस्त 2025 को इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम से वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर तक किया जायेगा।

ग्रहदोष खत्म करने के लिए पोते की बलि दी

प्रयागराज, (संवाददाता)। प्रॉपर्टी डीलर ने तांत्रिक के जाल में फंसकर 17 साल के पोते की बलि दे दी। सोमवार को उसने स्कूल जाते वक्त बच्चे को किडनैप किया। मुंह दबाकर घर में ले गया। वहां तंत्र–मंत्र किया और बच्चे की हत्या कर दी। फिर हाथ–पैर और धड़ काटकर अलग कर दिए। हाथ–पैर जंगल में, जबकि धड़ को पॉलिथीन में लपेटकर नाले में फेंक दिया। बेटा शाम तक घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने स्कूल में फोन किया। पता चला, वह स्कूल पहुंचा ही नहीं था। इसके बाद परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने दो टीमें बनाकर जांच शुरू की। दो सौ से अधिक सीसीटीवी खंगाले, लेकिन बच्चे का पता नहीं चला। जांच के दौरान एक महिला ने पुलिस को बताया कि मैंने एक व्यक्ति को नाले में शव

फेंकते हुए देखा है। इसके बाद पुलिस ने वहां का सीसीटीवी खंगाला, जिसमें आरोपी नजर आया। उसकी पहचान बच्चे के ताऊ सरन सिंह के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने बुधवार को उसे घर से गिरफ्तार कर लिया। सख्ती से पूछताछ की तो उसने जुर्म कबूल लिया। उसने बताया– मेरी बेटी और बेटे ने आत्महत्या कर ली थी। इससे मैं गहरे सदमे में था। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने सनसनीखेज खुलासा किया। उसने बताया कि उसके बेटे और बेटी ने 2023 और 2024 में आत्महत्या कर ली थी। इस घटना के बाद वह मानसिक रूप से टूट चुका था और उसने एक तांत्रिक से संपर्क किया। तांत्रिक ने उसके मन में यह भ्रम पैदा कर दिया कि मृतक की दादी ने जादू–टोना कर परिवार को बर्बाद कर दिया है। इसी अंधविश्वास और गुस्से में शरण सिंह ने अपने ही पोते को अगवा कर हत्या कर दी और शव को टुकड़ों में काटकर अलग–अलग जगह फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक का शव आंशिक रूप से औद्योगिक थाना क्षेत्र और करेली थाना क्षेत्र से बरामद हुआ है। उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने शरण सिंह को गिरफ्तार कर लिया है और अब उस तांत्रिक की तलाश में टीमें गठित की गई हैं जिसने आरोपी को उकसाया था। डीपी सिटी अभिषेक भारती ने बताया ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।